an>

Title: Need to develop the Chambal region of Madhya Pradesh.

**डॉ. भागीरथ प्रसाद (भिंड) :** आदरणीय सभापति जी, मैं चम्बल क्षेत्र की एक व्यापक समस्या जो पूरे भारत के लिए एक अनूठी समस्या है, उसके बारे में बोलना चाहता हूं। यहां बीहड़ बढ़ता जा रहा है। मैदानी ज़मीन बीहड़ में बदलती जा रही है। आज़ादी के समय सवा दो लाख ज़मीन बीहड़ में थी, लेकिन आज की तारीख में सात लाख से ज्यादा ज़मीन बीहड़ में डूब चुकी है। मध्य प्रदेश में बीहड़ क्षेत्र आठ हजार हेक्टेयर प्रति वर्ष की तेजी से बढ़ रहा है। कई गांव कस्बे इसकी चपेट में आ गए हैं। इस बढ़ती हुई समस्या के कारण लोग गांवों से पलायन करने को मजबूर हैं और गांवों को मैदानी एरिया में बसाने के लिए असफल कोशिश कर रहे हैं। बीहड़ निरन्तर पीछा कर रहा है। चम्बल क्षेत्र नदी और बीहड़ से घिरा होने के कारण भूगोल की जेल में आ चुका है। अब तक अभिशप्त और उपेक्षित चम्बल क्षेत्र में विकास का सूरज नहीं निकला है। मैं आपका ध्यान आकर्षित कराना चाहूंगा कि बीहड़ की ज़मीन वैज्ञानिकों की राय में बहुत उपजाऊ है। यदि इसका खेती के लिए उपयोग किया गया तो इसका शानदार विकास हो सकता है। ये नदियां और बीहड़ से घिरा क्षेत्र बागियों और डाकुओं की शरणस्थली रहा है। चम्बल क्षेत्र की जनता ने कई वर्षों से डकैती, अपहरण और आतंक को झेला है जैसे पुतलीबाई से लेकर फुलनदेवी तक, मान सिंह से पान सिंह तोमर तक...(व्यवधान)

**माननीय सभापति :** आप अपनी डिमान्ड बोलिए।

**डॉ. भागीरथ प्रसाद :** महोदय, चम्बल क्षेत्र आतंक के साये में रहा है। सारी दुनियां में यहां के डकैतों के किस्से मशहूर हुए हैं। चम्बल क्षेत्र कुख्यात बन गया, परन्तु आज मध्य प्रदेश शासन के प्रयास से चम्बल क्षेत्र में बंदूकों की गूंज थम गयी है और डकैतों का सफ़ाया हुआ है। चम्बल क्षेत्र की जनता विकास चाहती है। डकैती के अंधेरों से निकल कर विकास की नयी मंज़िलें छूना चाहती है। अतः मैं भारत सरकार से अनुरोध करता हूं कि आधुनिक तकनीक से बीहड़ का उपयोग किया जाए तथा इस क्षेत्र के विकास के लिए प्रयास किए जाएं।

मैं भारत सरकार से अनुरोध करूंगा कि वैज्ञानिक संस्थाओं का विश्व सम्मेलन आयोजित किया जाए और नयी तकनीक इज़ाद करके चम्बल क्षेत्र का विकास किया जाए और इसे भारत का आदर्श क्षेत्र बनाया जाए। धन्यवाद।